

Prestige®



सुकून से खाना-पकाने के लिए साफ-सुथरा किचन।

75
Years of Prestige

स्पिलेज कंट्रोल करने के लिए डीप लिड,
केवल हमारे प्रेशर कुकर्स की स्वच्छ रेंज में।



हमारे प्रोडक्ट्स
की रेंज



स्टेनलेस स्टील
प्रेशर कुकर



अल्युमीनियम
प्रेशर कुकर



हार्ड एनोडाइज्ड
हांडी प्रेशर कुकर



हार्ड एनोडाइज्ड
प्रेशर कुकर



Store
Locator



Scan to
Connect



Prestige®

जो आपनों से करे प्यार,
वो प्रेस्टीज से कैसे करे इनकार।

Prestige® Xclusive

प्रेस्टीज एक्सक्लूसिव और लीडिंग डीलर आउटलेट्स में उपलब्ध है।

विज्ञान और सरकार

अभी चंद रेस पहले तक राजधानी समेत देश के कई शहरों में हवा जानेवाला है तक प्रौद्योगिक हो गई थी। सबके मन में वही सवाल बार-बार उठ रहा था कि आखिर सरकारें क्या कर रही हैं? इसी के साथ कुछ और प्रश्न भी जुड़े हैं कि देश के वैज्ञानिकों कोइ समाधान क्यों नहीं निकालते? क्यों नहीं वे सरकारें को प्रदूषण मुक्ति की सही सलाह देते? समस्याओं पर वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की सलाह और उसके आधार पर सरकारें का कदम उठाना, ये ऐसे विषय हैं, जिनको लेकर फिलहाल पूरी दुनिया जूझ रही है। वैज्ञानिक अक्सर यह कहते भिल जाएंगे कि उनके पास दुनिया की बहुत सी समस्याओं के काफी है तक समाधान हैं। और फिर यह सवाल स्वाभाविक हो जाता है कि नीति नियामक या सरकारें उनकी सलाह पर ध्यान क्यों नहीं देतीं? उन उपायों को लागू क्यों नहीं करतीं? अमेरिकी परिक्रिया ने चर्चा की समाधान के लिए वैज्ञानिकों का एक सर्वेक्षण किया कि क्या की नीति नियामक उनकी सलाह को किस हृदय तक मानते हैं? सर्वेक्षण के नतीजे मिले-जुले रहे, लेकिन एक मोटी बात यह समझने आई कि सलाह मानने के स्तर को लेकर वैज्ञानिक सरकारों और नीति नियामकों से संतुष्ट नहीं है।

पहली नजर में ये निकर्ष हमें उस आम धारणा के नज़ीक ले जाते हैं, जो विभिन्न कारणों से यह मान बैठता है कि सरकारें और उनकी नीति नियामक आम तौर पर निकम्मे व असंवेदनशील होते हैं। हालांकि, न

तो यह बात सीधे तौर पर सर्वे में शामिल वैज्ञानिकों को कही और न ही सर्वे का ऐसा कहा गया है, उन्हें भी यह बात शायद याद दिलायी जा रही है।

मेरिका का राष्ट्रपति दुनिया का सबसे तात्पर आदमी होता है। जो लोग भूल गए थे, उन्हें भी यह बात शायद याद दिलायी जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अभी गोप्यपति का पदभार संभाला भी नहीं है, मगर उनके बायान दुनिया भर में हंगामा मचा रहे हैं। सरकारें और कारोबारी हिसाब लगा रहे हैं कि अबकी बार ट्रंप सरकार का कहां, किस पर, किना असर होने जा रहा है। सबसे ज्यादा फिक उन देशों की सरकारों को है, जिनके ट्रंप से रिश्ते ठीक नहीं रहने की आशंका है या वह फिर अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में लगे बड़े प्रभावितों को, जिनके कारोबार पर ट्रंप की छाया पड़ सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप वूं भी खुला खेल फर्शबाबादी वाले अंदर जाएंगे के लिए जाने जाते हैं और इस बार तो खास बार भी है कि यह उनका आखिरी कार्यकाल है, यानी आगली बार चुनाव लड़ने या जीतने की ओर हिँफिं उन्हें नहीं है। इसलिए इस बार ट्रंप की नीतियों कुछ इस अंदर जाएंगी, जिनसे वह जीतायास पर अपनी छाप छोड़ सकें, अपनी अधूरी इच्छाएं पूरी कर सकें या कहें, तो एक विरासत तैयार कर सकें।

ट्रंप खास तौर पर अमेरिकी उद्योग, व्यापार पर रोजगार पर जाएं दें और उन्हें चुनाव जीतने के लिए एक अलग तरह से वैज्ञानिकों की सलाह पर भी खुद छोड़ किए जा सकते हैं और इस सर्वे में शामिल कुछ वैज्ञानिकों ने यह विंडबंगा स्वीकार भी की है। विभिन्न देशों के 6,000 वैज्ञानिकों के इस सर्वे में 78 फीसदी ने कहा है कि सरकारों के नीति निर्धारण में वैज्ञानिकों और उनकी

सलाह का बहुत कम प्रभाव होता है।

अगर हम पूरी तरह से यह मान लेते हैं कि सरकारें दुनिया की

वास्तविक समस्याओं को लेकर बहुत हृदय तक असंवेदनशील हैं, तो शायद यह सोच भी हमें कहीं नहीं ले जाएंगी। सरकारों को किसी सलाह को लागू करने के लिए संसाधनों, उनके आर्थिक और सामाजिक प्रभाव के बारे में भी सोचना होता है। यह दुनिया अभी कुछ ही समय पहले एक भाषण महामारी के दौर से गुजरा है। उस दौर के अनुभवों से हम काफी कुछ समझ सकते हैं। यह वैसा दौर था, जब ज्यादातर देशों को जो आर्थिक नीती भुगतने पड़े, वे उनसे अभी तक पूरी तरह नहीं उत्तर सके हैं। इसलिए मामला सरकारों की संवेदनशीलता और गंभीरता पर सवाल उठाने का नहीं है। समस्याओं का समाधान आखिरकार वैज्ञानिकों की महात्मा और जमीनी यथार्थ के हिसाब से सरकारों के नीति निर्धारण से ही हो सकता है। सरकार बनाम वैज्ञानिक जैसे तर्क हमें कहीं नहीं ले जाएंगे।

सलाह का बहुत कम प्रभाव होता है।

अगर हम पूरी तरह से यह मान लेते हैं कि सरकारें दुनिया की

वास्तविक समस्याओं को लेकर बहुत हृदय तक असंवेदनशील हैं, तो शायद यह सोच भी हमें कहीं नहीं ले जाएंगी। सरकारों को किसी सलाह को लागू करने के लिए संसाधनों, उनके आर्थिक और सामाजिक प्रभाव के बारे में भी सोचना होता है। यह दुनिया अभी कुछ ही समय पहले एक भाषण महामारी के दौर से गुजरा है। उस दौर के अनुभवों से हम काफी कुछ समझ सकते हैं। यह वैसा दौर था, जब ज्यादातर देशों को जो आर्थिक नीती भुगतने पड़े, वे उनसे अभी तक पूरी तरह नहीं उत्तर सके हैं। इसलिए मामला सरकारों की संवेदनशीलता और गंभीरता पर सवाल उठाने का नहीं है। समस्याओं का समाधान आखिरकार वैज्ञानिकों की महात्मा और जमीनी यथार्थ के हिसाब से सरकारों के नीति निर्धारण से ही हो सकता है। सरकार बनाम वैज्ञानिक जैसे तर्क

हमें कहीं नहीं ले जाएंगे।

एक अलग दौर के अनुभवों से हम काफी कुछ समझ सकते हैं। यह वैसा दौर था, जब ज्यादातर देशों को जो आर्थिक नीती भुगतने पड़े, वे उनसे अभी तक पूरी तरह नहीं उत्तर सके हैं। इसलिए मामला सरकारों की संवेदनशीलता और गंभीरता पर सवाल उठाने का नहीं है। समस्याओं का समाधान आखिरकार वैज्ञानिकों की महात्मा और जमीनी यथार्थ के हिसाब से सरकारों के नीति निर्धारण से ही हो सकता है। सरकार बनाम वैज्ञानिक जैसे तर्क

हमें कहीं नहीं ले जाएंगे।

हिन्दुस्तान | 75 साल पहले

1949

कर्मचारियों को संदेश

भारत के प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने देश के सरकारी कर्मचारियों को

पहली बार रेडियो द्वारा सार्वजनिक रूप से संबोधित किया गया। उन्हें जो कुछ

कहा गया था कि जवाहरलाल के लिए जानें जाते हैं।

वैज्ञानिकों की साथीता के लिए जानें जाते हैं।

अपना ज्ञानखंड

गुदड़ी में ग्रामीणों ने एक और उग्रवादी को मार डाला

चक्रधरपुर, संवाददाता। पश्चिमी सिंहभूम के गुदड़ी में नक्सली संगठनों के आंकड़े से परेशान ग्रामीणों के एक और उग्रवादी गोमिया से जुड़े गोमिया का रविवार को सेंद्रा (समृद्ध हत्या) कर दिया गया। इससे पहले एरिया कमांडर मोटा टाइगर की ग्रामीणों ने शुक्रवार को सुरुवाती टोमड़े लंचायत के कामय जगल कर दी थी। गोमिया मोटा टाइगर का शारीरिक था और गुदड़ी में गिरने में हुए दोहरे हत्याकांड में नामजद अधिकृत था।

हालांकि सेवा की अधिकारिक स्तर पर पुष्टि नहीं हुई है।

प्रत्यक्षस्थितीय के मुताबिक, उग्रवादी गुदड़ी के बांदू का रहने वाला था।

दोहरे हत्याकांड के बाद पुलिस के साथ ग्रामीणों को उसकी तलाश थी।

गोमिया गुदड़ी के बांदू इलाके का रहने वाला था। ग्रामीणों ने बांदू इलाके में उसे खोज कर मार डाला।

लोड़ेइ में बनाई थी 30 गांवों के लोड़ेइ में रणनीति : सूत्रों से

मिली जानकारी के मुताबिक जिले के गुदड़ी, सोनुवा, गोइलकरा और आनंदपुर थाना क्षेत्र में पिछले दिनों में घटनाओं में लगातार वृद्ध हुई थी। उग्रवादी ग्रामीणों ने शुक्रवार को एरिया कमांडर मोटा टाइगर सहित करीब आधा दर्जन पीलाएँ आई उग्रवादियों को

- पीलाएँ आई के कमांडर मोटा टाइगर का शारीरिक था गोमिया
- ग्रामीणों ने शुक्रवार को मोटा टाइगर को धेरकर मार डाला था

पुलिस चला रही है सर्व अभियान

गुदड़ी में पीलाएँ आई के दो उग्रवादियों के सेंदरों के बाद पुलिस पूरे इलाके में सर्व अभियान लाला रही थी। हालांकि पुलिस अभी कोमाय जगल से एक किमी दूर रास्ते पर डटी है जहां से आग बढ़ने पर लोगों को बाहर जान रहा है। अभियान को लेकर कोई भी अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

ग्रामीण परेशान हो गये थे। उग्रवादियों पर लगाम लगाने के लिए ग्रामीणों ने आपस में बैठक बलाई थी। शुक्रवार को ही गुदड़ी के आसपास के तीस गांवों के लोग शामिल हुए। ग्रामीणों ने अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले उग्रवादियों की तलाश कर रहे हैं। इसी दौरान गोमिया उनके हाथ लगा गया। इसको लेकर व्यापक रणनीति : सूत्रों से

मिली जानकारी के मुताबिक जिले के गुदड़ी, सोनुवा, गोइलकरा और आनंदपुर थाना क्षेत्र में पिछले दिनों में घटनाओं में लगातार वृद्ध हुई थी। उग्रवादी ग्रामीणों ने शुक्रवार को एरिया कमांडर मोटा टाइगर सहित करीब आधा दर्जन पीलाएँ आई उग्रवादियों को

24 नवंबर को की थी दो लोगों की हत्या

गुदड़ी के पील गांव में 24 नवंबर को रवै तात्पुर और खुली निवासी सनसारों की धारियार हथियार से हत्या कर दी गई थी। सनसार रियार के घर मिलने आये थे। इस बारदात में परिवर्तन पहलुओं इंटरलेजेस, ऑपरेशन, व्यवस्था, कैप, सूत्रों आरपीएफ के जवानों के मनोबल आदि सभी बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में धारियार से उनके अनुभव के जानकारी ली गयी। घटना में गुदड़ी पुलिस ने पीलाएँ आई कमांडर मोटा टाइगर व गोमिया के ऊपर हत्या उग्रवादी हिस्से का केस दर्ज किया था।

पकड़ा और उसका मेंदरा कर दिया। मोटा टाइगर और एक अन्य उग्रवादियों का शव टोडेल और कोमाय जंगल के पास जंगल में होने की बात कही जा रही है। ग्रामीण समूह में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले उग्रवादियों की तलाश कर रहे हैं। इसी दौरान गोमिया उनके हाथ लगा गया। इसको लेकर व्यापक रणनीति : सूत्रों से

मिली जानकारी के मुताबिक जिले के गुदड़ी, सोनुवा, गोइलकरा और आनंदपुर थाना क्षेत्र में पिछले दिनों में घटनाओं में लगातार वृद्ध हुई थी। उग्रवादी ग्रामीणों ने शुक्रवार को एरिया कमांडर मोटा टाइगर सहित करीब आधा दर्जन पीलाएँ आई उग्रवादियों को

झारखंड में सिर्फ पश्चिमी सिंहभूम में ही बचा नक्सलवाद : डीजीपी

चाईबासा, संवाददाता। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने कहा है कि प्रदेश में 5 प्रतिशत नक्सलवाद खत्म हो चुका है। सिर्फ 4 से 5 प्रतिशत समस्याएँ बची हैं, जो सिर्फ पश्चिमी सिंहभूम जिले में हैं। इन्हें समाप्त करने को लेकर व्यापक अधियान चलाया जा रहा है। जल्द झारखंड को नक्सल मुक्त कर दी जाएगी। डीजीपी रविवार को चाईबासा में नक्सल अधियान की समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

चाईबासा पुलिस मुख्यालय में हुई बैठक के बारे में डीजीपी ने कहा कि परे राज्य के नक्सल अधियान की बैठक में सभी समीक्षा की गई। अधियान के विभिन्न पहलुओं इंटरलेजेस, ऑपरेशन, व्यवस्था, कैप, सूत्रों आरपीएफ के जवानों के मनोबल आदि सभी बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में धारियार से उनके अनुभव के जानकारी ली गयी। घटना में गुदड़ी पुलिस ने एरिया कमांडर मोटा टाइगर व गोमिया के ऊपर हत्या उग्रवादी हिस्से का केस दर्ज किया था।

... नहीं तो ग्रामीण मार कर भगाएंगे नक्सलियों को

ग्रामीणों द्वारा नक्सलियों को मारे जाने की खबरों के बारे में डीजीपी ने कहा की यह कोई नहीं बात नहीं है। पुरे प्रदेश में अब नक्सली नाम के रह गए हैं। अपराधी है, गव वालों को परेशान करेंगे तो ग्रामीणों को अपने बचाव में आगा ही होगा। जिले के कई गांवों में नक्सलियों का विरोध किया जा रहा है। अब ग्रामीण ही इन्हें मार-मरकर भगाएंगे।

को दूर किया जाएगा। बैठक में डीजीपी अधियान अमोल वेणुकांत होमरक, डीआईजी एसटीएफ झारखंड जनवार इंटरलेजेस में उनके अनुभव के जानकारी ली गयी। उसके आधार पर तैयार बिंदुओं पर मन्थन के बाद कमियों के दूर किया जाएगा। बैठक में डीजीपी अधियान अमोल वेणुकांत होमरक, डीआईजी एसटीएफ झारखंड जनवार आशुतोष शेखर आदि मौजूद थे।

को दूर किया जाएगा। बैठक में डीजीपी अधियान अमोल वेणुकांत होमरक, डीआईजी एसटीएफ झारखंड जनवार जोन के दूरी आखिलेश ज्ञा, विशेष अधिकारी के डीआईजी कार्यकारी एसएस घटनाकारी ली गयी। डीजीपी एसटीएफ झारखंड जनवार आशुतोष शेखर आदि मौजूद थे।

पीटीआर के जंगलों में रविवार को मिले बाघ के प्रगतांक। ● हिन्दुस्तान

27 लाख की हेराफेरी में तीन पंचायत सचिव सस्पेंड

हजारीबाग/विष्णुगढ़, हिटी। मनरेगा में 27 लाख रुपये की हेराफेरी मामले में जिले के तीन पंचायत सचिवों को उपलब्धता नैसरी सहाय निलंबित कर दिया है। इनमें विष्णुगढ़ तीन लोगों की अलपिटा पंचायत के सचिव रहे शिवकुमार प्रसाद, सरयू पासवान और कारू राणा शामिल हुए।

डीजीपी ने यह कार्रवाई विष्णुगढ़ बीड़ीओं ने सौंपी। आरोपी के अनुसार, अलपिटों पंचायत में 2022 से अब तक मनरेगा की 19 योजनाओं को मनमाने ढांचे से अंजाम दिया गया। दो साल के दौरान कार्रवाई विष्णुगढ़, सरयू और कारू राणा पंचायत में पदस्थापित हैं। वहीं अलपिटों की मुखिया सुमिता देवी, उनके पति धनेश्वर यादव के खिलाफ पंचायत रुपये की टीम सोमवार को जाच रिपोर्ट सौंपी। आरोपी के अनुसार, अलपिटों पंचायत में 2022 से अब तक मनरेगा की 19 योजनाओं को मनमाने ढांचे से अंजाम दिया गया। दो साल के दौरान कार्रवाई विष्णुगढ़, सरयू और कारू राणा पंचायत में पदस्थापित हैं। मुखिया ने पंचायत सचिव से मिलीभगत कर 27.8 लाख रुपये का गवान किया।

डीजीपी ने यह कार्रवाई विष्णुगढ़ बीड़ीओं ने सौंपी। आरोपी के अनुसार, अलपिटों पंचायत में 2022 से अब तक मनरेगा की 19 योजनाओं को मनमाने ढांचे से अंजाम दिया गया। दो साल के दौरान कार्रवाई विष्णुगढ़, सरयू और कारू राणा पंचायत में पदस्थापित हैं। मुखिया ने पंचायत सचिव से मिलीभगत कर 27.8 लाख रुपये का गवान किया।

पीटीआर के जंगलों में रविवार को मिले बाघ के प्रगतांक। ● हिन्दुस्तान

प्रदेश 305

टोलकर्मियों पर सेदुव्यवहार का आरोप

हिरहरगंज (पलामू)। हिरहरगंज एनएच 139 टोल प्लाजा पर कर्मियों के द्वारा सीधे तो दुर्व्यवहार करने का मामला सामने आया है। मामले में सीधी तो टोलकर्मियों द्वारा खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया है। सीधी तो बताया कि विगत वार दो दिन जा रहे थे। टोल क्षेत्र के दोपहर तीन दिनों के बाद वार रहे थे। सीधी तो रविवार दोपहर तीन दिनों के बाद वार रहे थे। टोलकर्मियों द्वारा खिलाफ दर्ज कराया जा रहा है।

देवघर में बालू माफिया ने पुलिस पर की फायरिंग देवघर, जरीड़ी थाना के गजबार गांव में 23 अक्टूबर की रात कुछ सीधों के बारे में डॉकल एवं विवार के बारे में एवं नवसली नाम के रह गए हैं। अपराधी है, गव वालों को परेशान करेंगे तो ग्रामीणों को अपने बचाव में आगा ही होगा। इन्हें अन्य ग्रामीणों ने जैसे तो जैसे बालू लौटे देखा जाएगा।

डैक

अपना खेल

■ ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया को 10 विकेट से रोका ■ भारतीय टीम दोनों पारियों में महज 81 ओवर ही खेल सकी ■ शतकवीर ट्रेविस हेड 'प्लेयर ऑफ द मैच'

गुलाबी गेंद के टेस्ट में भारत 'फेल'



बॉर्ड
गवर्नर
ट्रॉफी



एडिलेड, एजेंसी। टीम इंडिया रविवार को गुलाबी गेंद की परीक्षा में 'फेल' हो गई। मुकाबला सिर्फ सवा दो दिन चला जिसमें भारतीय टीम 81 ओवरों में दो बार ढेर हुई। भारत ने दोनों पारियों में 355 रन बनाए, जबकि मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने एक ही पारी में 337 रन बना दिए और मैच में भारत से आधे यारी 10 विकेट बनाए। गोलंदाज और विवार ने एक बार पिरन निराश किया। सीरीज के दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया की 10 विकेट से हार का लक्ष्यालुआ बाबर थाई है।

भारत की हार तो शर्निवार को ही सुनिश्चित हो गई थी जब टीम ने महज 128 रन पर पांच विकेट बना दिए थे। तीसरे दिन भी कठानी नहीं बल्लेबाजी और पूरी टीम दूसरी पारी में 175 रन पर ढेर हो गई। जिसके बाद मिसे 19 रन के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने बिना विकेट खोये। इसी के साथ बॉर्ड-गवर्नर ट्रॉफी 1-1 से बल्लेबाज ने गई है। अभी तीन टेस्ट और खेले जाने हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने महज सात सत्र के अंदर जीत दर्ज की जो गेंदों के हिस्से विवार से भारत के खिलाफ उसके सबसे छोटा टेस्ट मैच है। इस मैच में बॉर्ड-गवर्नर ट्रॉफी 1-1 से बल्लेबाजी नहीं रही।

भारत ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 128 रन से करते हुए ढेर और ओवर में ही ऋथधन पंथ (28) का विकेट गंवा दिया। नीरोज कुमार रेही (42) के पहली पारी की तरह दूसरी पारी में जज्बा बल्लेबाज दिखाकर टीम का स्कोर 175 रन पहुंचाया। उनकी बल्लेबाजी से भारत पारी की हार टालने में सफल रहा।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टैट कमिस ने दूसरी पारी में पांच विकेट चटकाए। जबकि बॉर्ड और ट्रॉफी ने क्रमशः तीन और दो गेंदबाजों के हिस्से विवार से भारत के खिलाफ उसका सबसे छोटा टेस्ट मैच है। इस मैच में संघाती ट्रॉफी ने दो मैचों डाली गई।

भारत को अगर इस सीरीज के बाकी बचे मैचों में मजबूत वासी करनी है तो इन दोनों दिग्गजों को अपनी खराब लय से बाहर निकलने का तरीका ढूँढ़ा जाएगा। गेंदबाजी में जस्तरत बुमराह ने प्राप्त अप्राप्त गेंदबाजी को जस्तरत ही नहीं पड़ा। पहली पारी में शतक बाल्य बाल्य ट्रॉफी एक भी विकेट नहीं ले सके।

एडिलेड में रविवार को नितीश कुमार रेही को आउट करने के बाद युशी मनात और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज पेट कमिस और उत्तमान खाजा। ● एजेंसी

टेस्ट मैच में एक दिन में आधिकारिक तौर पर 90 ओवर गेंदबाजी करने का प्रवधान है। ऐसे पर भारतीय दोनों पारियों की मिलाकर एक दिन भी नहीं दिक्क पाया। भारत को इस मैच की दोनों पारियों में सबसे ज्यादा निराश अनुभवी विवार कोहली और कप्तान रेही शर्म की बल्लेबाजी से हुई। वह दोनों बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों का सामना करने में विफल रहे।

भारत को अगर इस सीरीज के बाकी बचे मैचों में मजबूत वासी करनी है तो इन दोनों दिग्गजों को अपनी खराब लय से बाहर निकलने का तरीका ढूँढ़ा जाएगा। गेंदबाजी में जस्तरत बुमराह ने प्राप्त अप्राप्त गेंदबाजी को जस्तरत ही नहीं पड़ा। पहली पारी में शतक बाल्य बाल्य ट्रॉफी एक भी विकेट नहीं ले सके।

08 टेस्ट मैच
गुलाबी गेंद से
जीतकर अजेय है
ऑस्ट्रेलिया
एडिलेड में

19 वीं बार भारत को
टेस्ट मैच में 10
विकेट से हार का
सामना करना पड़ा

32 वीं बार
ऑस्ट्रेलिया टेस्ट
मैच 10 विकेट से
जीता जो एक
रिकॉर्ड है

12 वीं बार कमिस ने
पारी में पांच विकेट
लिए 2018 से,
यह सबसे ज्यादा

दिग्गजों पर सवाल
रोहित शर्मा

■ भारतीय कप्तान रोहित दोनों पारियों में महज जीत 3 (6, 1) ही बना सके।
■ पिछले छह टेस्ट में उन्होंने 12 पारियों में सिर्फ एक विकेट (बैंगनुरु) लगाया।
■ इस पारी के अलावा वह सिर्फ एक बार 20 रन का आंकड़ा पार कर सके।
■ वीथ रूप पर काप में भी 37 वर्षीय रोहित पिछले लगातार चार टेस्ट मैच हार करने में विफल रहे।

नई उम्मीद: नितीश कुमार रेही

शुरुआती दो टेस्ट मैच में रेही भारत के सबसे अच्छे बल्लेबाजों में से एक के तौर पर उपर्युक्त है। वह कप्तान की शुरुआती चार पारियों में अच्छी शुरुआत को अर्धशतक में बदलने में नाकाम रहे लेकिन उन्होंने 41, 37 नावाद, 42 और 42 सर कप्तान के साथ प्रभावित किया। हालांकि उनसे गेंदबाजी में भी थोड़ा बेहतर की उम्मीद होगी।

विवार कोहली

■ भारतीय कप्तान रोहित दोनों पारियों में महज जीत 1 (7, 11) रन बना सके।
■ कोहली छह टेस्ट में उन्होंने 12 पारियों में सिर्फ एक विकेट (बैंगनुरु) लगाया।
■ इस पारी के अलावा वह सिर्फ एक बार 20 रन का आंकड़ा पार कर सके।
■ वीथ रूप पर काप में भी 37 वर्षीय रोहित पिछले लगातार चार टेस्ट मैच हार करने में विफल रहे।

नई उम्मीद: नितीश कुमार रेही

शुरुआती दो टेस्ट मैच में रेही भारत के सबसे अच्छे बल्लेबाजों में से एक के तौर पर उपर्युक्त है। वह कप्तान की शुरुआती चार पारियों में अच्छी शुरुआत को अर्धशतक में बदलने में नाकाम रहे लेकिन उन्होंने 41, 37 नावाद, 42 और 42 सर कप्तान के साथ प्रभावित किया। हालांकि उनसे गेंदबाजी में भी थोड़ा बेहतर की उम्मीद होगी।

हार के बड़े 4 कारण

1. गुलाबी गेंद की सिर्विंग

भारतीय बल्लेबाज गुलाबी गेंद की सिर्विंग और बाउंस को समझने में नाकाम रहे। छह दिन बीच 1.6 डिग्री तक सिर्विंग कर रही थी जो उनके लिए मुसीबत बन गयी।

2. बुमराह का साथ नहीं

गेंदबाजी में बुमराह को सिराज और हर्षित से साथ नहीं मिला। हर्षित कोई विकेट नहीं चटकासे के बाद तो सिराज ने विकेट जरूर लिए मगर तब तक दर हो चुकी थी।

3. रात का फायदा नहीं

रात के समय पलट लाइस की रोशनी में गुलाबी गेंद ज्यादा सिर्विंग और सीमा करती है मगर भारतीय गेंदबाज विकेट नहीं ले सके। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में महज एक विकेट गंवाया। इसके बाद तीव्र बुमराह 86 रन बनाए थे।

4. ट्रैविस हेड का तोड़ नहीं

भारत को ट्रैविस हेड का तोड़ नहीं मिल पाया रहा है। उन्होंने 140 रन की पारी खेली थी जो बाउंस को अपने रुप से ले रही थी। उनके बाद तीव्र बुमराह को एक विकेट लिए मगर तब तक चार विकेट ट्रैविस हेड ने विकेट लिया। फाइनल में भी हेड ने शतक लगातार रोमांच ले रखा।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी:	180
ऑस्ट्रेलिया पहली पारी:	337/10 (87.3 ओवर)
भारत दूसरी पारी:	175/10 (36.5 ओवर)
यस्तको का फैसला:	24 31 4/0
गुलाबी का फैसला:	207 10 1/0
शुमान गुलाबी का फैसला:	28 30 3/0
कोहली का फैसला:	11 21 1/0
शुमान पांच का फैसला:	28 31 5/0
शुमान बाल्य का फैसला:	06 15 1/0
शुमान का फैसला:	42 47 6/1
कोहली का फैसला:	14-1-60-2
ट्रैविस ट्रैक्टर का फैसला:	14-0-56-5
स्टॉन ट्रैक्टर का फैसला:	8.5-0-51-3
ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी:	19/0 (3.2 ओवर)
मेकर्सनी गुलाबी:	10 12 2/0
खाजाजा नावाद:	09 08 1/0
जस्प्रिट बुमराह:	1-0-2-0-2-0
मोहमद सिराज:	1.2-0-9-0-0
नितीश रेही:	1-0-8-0-0



वह आसान नहीं होता।

विपक्षी टीम हमेशा उसका फायदा उत्तीर्णी है और यही हुआ। रोहित ने बुमराह का साथ देने के लिए टीम के अन्य गेंदबाजों से अपना स्ट्राइक करने का काम बनाया।

उत्तीर्णी टीम ने बुमराह का साथ देने के लिए टीम के अन्य गेंदबाजों से अपना स्ट्राइक करने का काम बनाया।

उत्तीर्णी टीम

अपना बिजनेस

जब घुटना, कंधा या कमर दर्द सताए



घुटना दर्द

कंधा दर्द

कमर दर्द

कलाई दर्द



Clinically
Tested*

*For efficacy and safety.

'डा. ऑर्थो स्ट्रंग तेल'
आज ही ले आएं

10 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों व सर्वों के योग से निर्मित डा. ऑर्थो स्ट्रंग तेल जोड़ी के अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में विशेष सहायता करता है। भार 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें। आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं लगते सभी तक बना रहता है।

Dr. Juneja's
डा. ऑर्थो®
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

24x7 Helpline: 7876977777 • www.drorthooil.com



बाजार 30^s

कमोडिटी	भाव (रुपी)	बदलाव
सोना	71,500	0
चादी	94,000	0

84.76 - 00.08
करेसी डॉलर/रुपया

बीमा संशोधन विधेयक में विलंब संभव

नई दिल्ली। बीमा संशोधन विधेयक संसद के चालू सत्र में पेश नहीं हो पाया। सूत्रों के अनुसार बिल में बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफओआई का प्रस्ताव है। विभिन्न सम्बन्धों से मिली टिप्पणियों ने बाद मसीदा विधेयक में कुछ संशोधन की जरूरत हो सकती है। सूत्रों ने बताया कि सभी की कमी के द्वारा हुए बालू सत्र में विधेयक पेश करना मुश्किल है, हालांकि यह बजट सत्र में आ सकता है।

ईवीस्कूटर से धूआं मामले में जांच जारी: बजाज ऑटो

मुंबई। महाराष्ट्र के छत्तीवार संभालीनाराय में एक इलेक्ट्रिक स्कूटर से धूआं निकलने का चीड़ियों वायरल हुआ है, जिसके बाद प्रमुख योग्यांश वाहन विनियामित बजाज ऑटो ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है। यह घटना बीते गुरुवार को सामने आई थी। बजाज ऑटो के प्रबंध निदेशक राजीव बाजाज ने हाल ही में कहा कि बेतक सबसे ज्यादा बिकेने वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर है।

'लेखायाक्षी वैशिक मानकों के अनुरूप हो'

नई दिल्ली। लेखायी वैशिक रिपोर्ट प्राधिकरण (एनएफआरए) के प्रमुख अजय भूषण प्रसाद पाण्य ने कहा कि भारत की लेखायाक्षी को वैशिक मानकों के अनुरूप बनाने से निवेशकों का विश्वास बढ़ाने, अधिक धन आकर्षित करने तथा वित्तीय अंकों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। जब देश का लक्ष्य विकसित भारत बनाना है तो निम्न मानक नहीं अपनाएं जा सकते।

छोटी अवधि चुन सकते हैं

इस सुविधा के तहत कम व्याज दर और छोटी ईमआई के अलावा छोटी कर्ज अवधि का फायदा भी मिल सकता है। छोटी ही लोन रीफाइनेंस कहा जाता है। इसमें होम लोन, वाहन लोन समेत अन्य कई तरह के कर्ज शामिल हो सकते हैं। यूके एप्लीकेशन का वोल्यूम हो जाता है। इसके लिए व्याज दर पर नवाने कर्ज को मिल जाता है। इसके लिए लोन रीफाइनेंस कहा जाता है। इसमें होम लोन, वाहन लोन समेत अन्य कई तरह के कर्ज शामिल हो सकते हैं। यूके एप्लीकेशन का वोल्यूम हो जाता है।

ग्राहक ऐसे कर सकते हैं आवेदन

रीफाइनेंस के लिए सबसे उस बैंक का विविध स्थान से संपर्क करना होगा, जो कम व्याज दर पर वही लोन उपलब्ध करा रहा है। नए कर्जदारों की ओपरेशनिंग करने के लिए लोन रीफाइनेंस को मिल जाता है। इसके बाद ग्राहक को कम व्याज पर बंदर लोन लेने के लिए बैंक को यूके एप्लीकेशन का वोल्यूम हो जाता है।

उदाहरण से ऐसे समझें

मान लीजिए कि किसी ने 20 साल के लिए 9.5% की व्याज दर से 50 लाख का लोन लिया है। ऐसे में इसे उसके बैंक कर्ज का विवर दिया है। अगर इसके बाद ग्राहक को लिए लोन रीफाइनेंस करना चाहिए तो उसे रीफाइनेंस करने के लिए लोन व्याज 8.5 फीसदी है, तो व्याज घटाव 54.13 लाख रुपये का व्याज घटाव 7.71 लाख रुपये की बदलता होगी। यानी लगभग 7.71 लाख रुपये की बदलता होगी।

कब चुनें यह विकल्प

- जब बैंक व्याज दरें मिल रही हों
- फिल्ड से लोन लिया जाए
- ग्राहक को कर्ज की अवधि करना
- अगर ग्राहक को और उधार चाहिए
- यदि बैंक अच्छी सेवा न दे रहा हो

इन बातों का ध्यान करें

- नया लोन लेने के लिए प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क बुकाने पड़ते हैं।
- नए कर्जदारों की सेवाओं और शर्तों की भली-भाली समझें।
- वार-वार लोन रीफाइनेंस करने से क्लेंट के बदलता व्याज घटाव दर तय कर सकता है।

ध्यान दें

आरबीआई ने लगातार 11वीं बार प्रमुख व्याज दर अपनी रेटें रेटें में किसी तरह का बदलाव नहीं किया है। इसके कार्य की किसी में राहत मिलने की उमीद लगाए बैठे थे ग्राहकों का इंतजार और बढ़ गया है। खासकर होम लोन की किस फिल्डल कम नहीं होती है। विशेषज्ञ दरें हैं जिनमें विकल्प में ग्राहक लोन रीफाइनेंस का विकल्प चुन सकते हैं। इसकी मदद से वे अपनी ईमआई बोल्ड कम कर सकते हैं।

जानें क्या होती है लोन रिफाइनेंसिंग

यह विकल्प उन ग्राहकों के लिए सबसे अधिक कारगर साधित हो सकता है, जिन्होंने उच्च व्याज दर पर कार्ज कर्ज लिया है। इसी बीच उन्हें पता लगता है कि कोई अन्य बैंक उसी कर्ज के लिए कम व्याज दर रख रहा है तो पुराने कर्ज को यूके एप्लीकेशन के लिए बदलता होगा। यानी पुराने बैंकों के कर्ज को यूके एप्लीकेशन के लिए बदलता होगा। इसके लिए होम लोन, वाहन लोन समेत अन्य कई तरह के कर्ज शामिल हो सकते हैं। यूके एप्लीकेशन का विकल्प है। इसके लिए व्याज दर वर्तमान कर सकता है। इससे व्याज पर बंदर लोन एप्लीकेशन का विकल्प होता है।

अच्छा सिविल स्कोर होना जरूरी

यह लोन कर्ज लेने वाले ग्राहक के स्थिरता देखते हुए भी बैंक को विविध स्थिरता देखते हुए भी बैंक उस लोन रीफाइनेंस को सुविधा दे सकते हैं। इसके बाद ग्राहक को कम व्याज पर बंदर लोन एप्लीकेशन के लिए बदलता होता है।

नए साल से प्रमुख वाहनों की कीमतों में इजाफा होगा

नई दिल्ली, एंजेसी। देश में विभिन्न कार मॉडलों की कीमतों ने एप्लीकेशन के लिए सबसे उस बैंक का विविध स्थान से संपर्क करना होगा, जो कम व्याज दर पर वही लोन उपलब्ध करा रहा है। नए कर्जदारों की ओपरेशनिंग करने के लिए लोन रीफाइनेंस के लिए निपुट लागत बढ़ने और परिचालन व्यापर से अपने एप्लीकेशन के लिए भी बदलता होता है।

उदाहरण विशेषज्ञों का कहना है कि बहु क्वार्टर दर से उपर व्याज की ओपरेशनिंग करने के लिए बैंकों से अपनी एप्लीकेशन को अपेंड करने के लिए भी बदलता होता है।

योजा था नया तरीका: हालांकि, इसके बाद जालसाजों ने एप्लीकेशन व्यापर में बदलता होता है। इसके बाद जालसाज एप्लीकेशन के लिए नया तरीका होता है। यह व्याज की ओपरेशनिंग करने के लिए बैंकों से अपनी एप्लीकेशन को अपेंड करने के लिए भी बदलता होता है।

■ एप्लीकेशन पर पैसा निकालते वरते हैं। यदि नया नहीं होता है। यदि कोई हुई प्रहृष्टी बदलता होती है, तो तुरत बैंक को सूचीबद्ध करें।

■ एप्लीकेशन के फैशन निकालने वाले स्लॉट की जांच करें। देखें वह कोई कौन्सिलर उसकी कोशिश करता है, तो यह तकनीक नहीं तरही है। इसके बाद जालसाज एप्लीकेशन के लिए बैंकों से अपनी एप्लीकेशन को अपेंड करने के लिए भी बदलता होता है।

योजा था नया तरीका: हालांकि, इसके बाद जालसाजों ने एप्लीकेशन व्यापर में बदलता होता है। इसके बाद जालसाज एप्लीकेशन के लिए नया तरीका होता है। यह व्याज की ओपरेशनिंग करने के लिए बैंकों से अपनी एप्लीकेशन को अपेंड करने के लिए भी बदलता होता है।

असफल हो जाया है और वह चला जाता है। इसके बाद जालसाज वहां पहुंचकर नकली कवर को होड़ा देते हैं और नए नकली निकाल लेते हैं। इसके बाद जालसाज एप्लीकेशन के लिए बैंकों से अपनी एप्लीकेशन को अपेंड करते हैं। अंकों के बाद जालसाज एप्लीकेशन को अपेंड करते हैं। इसके बाद जालसाज एप्लीकेशन के लिए बैंकों से अपनी एप्लीकेशन को अपेंड करते हैं। अंकों के बाद जालसाज एप्लीकेशन के लिए बैंकों से अपनी एप्लीकेशन को अपेंड करते हैं। अंकों

